अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं. | | | | | | | | | | | | |

गूढसंख्या 65/SS/A
कोड नं.

स्तवकः
सेट A

भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) _____

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. _____

2. _____

सामान्या निर्देशाः –

1 अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

2 निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

3 वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

4 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

5 उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

6 स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **65/SS/A,** स्तवक- **A** नूनं लेख्या।

7 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1 प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्र में लिखना है।

4 सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5 उत्तर–पत्र में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6 अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड नं. **65/SS/A,** सेट- **A** अवश्य लिखें।

7 सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

परीक्षासमयावधिः – होरात्रयम्] **[पूर्णाङ्काः – : 100**

परीक्षा का समय : तीन घंटे **पूर्णाङ्क – : 100**

निर्देशाः :

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **10**, **[B]** भागे **10**, **[C]** भागे **10**, **[D]** भागे **5** इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न–पत्र में **[A]** भाग में **10**, **[B]** भाग में **10**, **[C]** भाग में **10**, **[D]** भाग में **5** – कुल मिलाकर **35** प्रश्न हैं।

(2) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

(3) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत। **1×10=10**

दसों के उपयुक्त विकल्प चुनिए :

1. वेदान्तमते परार्थानुमाने कति अवयवाः भवन्ति?

(क) त्रयः (ख) चत्वारः

(ग) पञ्च (घ) षट्

वेदान्त के अनुसार परार्थ अनुमान में कितने अवयव होते हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) छह

2. सांख्यदर्शनस्य प्रवर्तकस्य आचार्यस्य नाम किम्?

(क) गौतमः (ख) कणादः

(ग) कपिलः (घ) जैमिनिः

सांख्यदर्शन के प्रवर्तक आचार्य का क्या नाम है?

(क) गौतम (ख) कणाद

(ग) कपिल (घ) जैमिनि

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

3. कस्मात् तत्त्वात् षोडशकः गणः समुत्पद्यते ?

(क) प्रकृतेः (ख) महत्तत्त्वात्

(ग) अहङ्कारात् (घ) पुरुषात्

किस तत्त्व से सोलह गण की उत्पत्ति हुई ?

(क) प्रकृति से (ख) महत्तत्त्व से

(ग) अहंकार से (घ) पुरुष से

4. के अर्थापत्तिप्रमाणं न अङ्गीकुर्वन्ति ?

(क) पौराणिकाः (ख) वेदान्तिनः

(ग) भाट्टाः (घ) नैयायिकाः

अर्थ आपत्ति प्रमाण को कौन अंगीकार नहीं करता ?

(क) पौराणिक (ख) वेदांतवादी

(ग) भाट्ट (घ) नैयायिक (न्यायविद)

5. एतेषु कः सम्प्रदायः बौद्धदर्शनसम्प्रदायान्तर्गतः ?

(क) सांख्ययोगः (ख) चार्वाकः

(ग) योगाचारः (घ) आर्हतः

इनमें से कौन–सा संप्रदाय 'बौद्धदर्शन संप्रदाय' के अंतर्गत आता है ?

(क) सांख्ययोग (ख) चार्वाक

(ग) योगाचार (घ) आर्हत

6. अभावग्रहणाय वेदान्तिनः किं प्रमाणं स्वीकुर्वन्ति ?

(क) प्रत्यक्षम् (ख) अनुमानम्

(ग) अर्थापत्ति (घ) अनुपलब्धि

वेदांतवादी अभाव ग्रहण के लिए क्या प्रमाण स्वीकार करते हैं ?

(क) प्रत्यक्ष (ख) अनुमान

(ग) अर्थापत्ति (घ) अनुपलब्धि

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

7. अज्ञानोपहितात् चैतन्यात् प्रथमोत्पन्नं महाभूतं किम् ?

(क) वायुः (ख) आकाशः

(ग) जलम् (घ) तेजः

अज्ञानोपहित चैतन्य से सबसे पहले कौन–सा महाभूत उत्पन्न होता है ?

(क) वायु (ख) आकाश

(ग) जल (घ) तेज

8. वेदान्तमते प्रलयः कतिविधः ?

(क) द्विविधः (ख) त्रिविधः

(ग) चतुर्विधः (घ) षड्विधः

वेदांत के मत में प्रलय के कितने प्रकार हैं ?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) छह

9. अद्वैतवेदान्तस्य प्रवर्तकः कः ?

(क) मध्वाचार्यः (ख) शङ्कराचार्यः

(ग) रामानुजाचार्यः (घ) वल्लभाचार्यः

अद्वैतवेदांत के प्रवर्तक कौन हैं ?

(क) मध्वाचार्य (ख) शंकराचार्य

(ग) रामानुजाचार्य (घ) वल्लभाचार्य

10. चित्तमलनाशकं कर्म किम् ?

(क) काम्यम् (ख) निषिद्धम्

(ग) नित्यादिकम् (घ) श्रवणादिकम्

मन की अशुद्धियों को नष्ट करने वाली क्रिया क्या है ?

(क) काम्य (ख) निषिद्ध

(ग) नित्यादिक (घ) श्रवणादिक

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत। **2×10=20**

दसों प्रश्नों के यथानिर्देश लघु उत्तर लिखिए :

11. ज्ञानेन्द्रियाणि कानि? कर्मेन्द्रियाणि च कानि? **1+1=2**

ज्ञान इन्द्रियाँ कौन–सी हैं और कर्म इन्द्रियाँ कौन–सी हैं?

12. सांख्यदर्शनानुसारेण पुरुषः किमर्थम् अनुभयरूपः? **1+1=2**

सांख्यदर्शन के अनुसार पुरुष किस लिए अनुभय रूप है?

13. वेदान्तमते कति व्यावर्तकम्? कानि च तानि? **1+1=2**

वेदांत मत में व्यावर्तक कितने हैं और कौन–से हैं?

14. का बुद्धिः? किं च चित्तम्? **1+1=2**

बुद्धि क्या है और चित्त क्या है?

15. पौरुषेयत्वं नाम किम्? योग्यता नाम का? **1+1=2**

पौरुषेय किसे कहते हैं और योग्यता का क्या नाम है?

16. ब्रह्मणः तटस्थलक्षणप्रतिपादकं सूत्रं किम्? वेदान्तपरिभाषायां ब्रह्मणः किं तटस्थलक्षणं प्रदत्तम्? **1+1=2**

ब्रह्म के तटस्थ लक्षण को प्रतिपादित करने वाला सूत्र क्या है? वेदांत की परिभाषा में ब्रह्म का तटस्थ लक्षण प्रतिपादित कीजिए।

17. अध्यस्तवस्तुनः उपादानकारणं किं भवति? सर्वमपि कार्यं कुत्र अध्यस्तम्? **1+1=2**

अध्यस्त वस्तु का उपादान कारण क्या होता है? सभी प्रकार के कार्य कहाँ रुकते हैं?

18. जगतः परिणाम्युपादानकारणं किम्? जगतः विवर्तोपादानकारणं किम्? **1+1=2**

जगत का परिणामी उपादान कारण और विवर्तोपादान कारण क्या है?

19. किं तावत् श्रवणम्? जीवस्य उपाधिः कः? **1+1=2**

श्रवण क्या है? जीव की उपाधि क्या है?

20. किं नाम सञ्चितं कर्म? प्रारब्धकर्मणः क्षयः कथं भवति? **1+1=2**

संचित कर्म क्या है? भाग्य के लिखे कर्मों का क्षय कैसे होता है?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **4×10=40**

दसों प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

21. लक्षणस्य लक्षणविषये लघुटिप्पणीं लिखत।
लक्षण के लक्षणों के विषय में लघु टिप्पणी लिखिए।

22. त्रिविधचैतन्यविषये लघुटिप्पणीं लिखत।
तीन प्रकार के चैतन्य विषय पर लघु टिप्पणी लिखिए।

23. लक्षणायाः भेदविषये लघुटिप्पणीं लिखत।
लक्षणों के भेद विषय पर लघु टिप्पणी लिखिए।

24. अज्ञानस्य शक्तिद्वयं विव्रियताम्।
अज्ञान की दोनों शक्तियों का वर्णन कीजिए।

25. परिणामवादविषये विवर्तवादविषये च समासेन लिखत।
परिणामवाद विषय और विवर्तवाद विषय पर संक्षेप में लिखें।

26. ब्रह्मपदस्य अर्थविषये लघुटिप्पणीम् लिखत।
ब्रह्म पद के अर्थ के विषय में लघु टिप्पणी लिखिए।

27. अविद्यायाः भावरूपत्वविषये लघुटिप्पणीमेकां लिखत।
अविद्या के भावरूप के विषय में लघु टिप्पणी लिखिए।

28. अनुबन्धानां संक्षेपेण परिचयः दीयताम्।
अनुबंधों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

29. तत्त्वमसीति महावाक्ये कथं जहदजहल्लक्षणा सङ्गच्छते इति प्रदर्श्यताम्।
'तत्त्वमसि' इस महावाक्य में किस प्रकार जहद, जहल लक्षण का प्रयोग है, संक्षेप में प्रदर्शित कीजिए।

30. शमादिषट्सम्पत्तिषु यथेच्छं चतुर्णां समासेन परिचयः दीयताम्।
शमादि षट् संपत्ति में से इच्छानुसार चार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **6×5=30**

पाँच प्रश्नों का दीर्घ उत्तर दीजिए :

31. सांख्यदर्शनमते पुरुषस्य बहुत्वसाधकाः हेतवः आलोच्यन्ताम्।
सांख्यदर्शन के अनुसार पुरुष बहुत्व के हेतुओं (कारणों) की आलोचना कीजिए।

32. वेदान्तमते सृष्टिक्रमं संक्षेपेण प्रतिपाद्यताम्।
वेदान्त के मतानुसार सृष्टि क्रम के बारे में संक्षेप में लिखिए।

33. अद्वैतवेदान्ते सृष्टिप्रसङ्गे अध्यारोपापवादौ वर्णनीयौ।
अद्वैतवेदांत के सृष्टि प्रसंग के अध्यारोपवाद का वर्णन कीजिए।

34. सविकल्पकं निर्विकल्पकं च समाधिं संक्षेपेण वर्णयत।
सविकल्पक और निर्विकल्पक समाधि का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

35. पञ्चकोशेषु यथेच्छं कोशद्वयं विस्तरेण आलोच्यताम्।
पाँच कोश में से इच्छानुसार किन्हीं दो की विस्तार से आलोचना कीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279